त्रैमासिक परीक्षा हेतु प्रश्न बैंक

कक्षा -10 वीं

विषय – हिन्दी

सत्र -2025-26

नोट - विषय शिक्षक प्रश्न बैंक में समाहित प्रश्नों का उपयोग विद्यार्थियों के सीखने के स्तर एवं पाठ्यक्रम को ध्यान में रखते हुए त्रैमासिक परीक्षा का प्रश्न पत्र बनाते समय अनिवार्य रूप से करें।

स्टेट असेसमेंट सेल ,लोक शिक्षण संचालनालय ,म.प्र.,भोपाल

त्रैमासिक परीक्षा (सत्र 2025- 26)हेतु अंक योजना

कक्षा : 10 वीं, विषय -हिंदी

स.क्र.	इकाई क्र.	इकाई एवं विषय वस्तु	आवंटित अंक
1	1	**क्षितिज भाग -2 काव्य खण्ड** पद्य साहित्य का इतिहास एवं काल विभाजन, रीतिकाल, आधुनिक काल (प्रयोगवाद, प्रगतिवाद, नई कविता) (1) ऊधौ तुम हौं अति बड़भागी, मन की मन ही माँझ रही हमारें हरि हारिल की लकरी, हरि हैं राजनीति पढ़ि आए (2) राम-लक्ष्मण परशुराम संवाद कवि परिचय भावार्थ (सन्दर्भ, प्रसंग, भावार्थ, काव्य सौन्दर्य) सौन्दर्य बोध तथा भाव एवं विषय वस्तु पर आधारित प्रश्न	17
2	2	**काव्य बोध –** काव्य की परिभाषा एवं भेद (प्रबंध काव्य के भेद) रसः अंग एवं प्रकार उदाहरण सहित,छंद (दोहा एवं चौपाई)	10
3	3	**क्षितिज भाग -2 गद्य खण्ड** गद्य की प्रमुख विधाएँ (1) नेताजी का चश्मा (2) बालगोबिन भगत लेखक परिचय व्याख्या (सन्दर्भ ,प्रसंग, व्याख्या , विशेष) विषय वस्तु पर आधारित प्रश्न	17
4	4	**भाषा बोध –** सन्धि एवं समास (भेद एवं उदाहरण) मुहावरें एवं लोकोक्तियाँ	08
5	5	**कृतिका भाग-2** 1. माता का अंचल (शिवपूजन सहाय) पाठ पर आधारित प्रश्न	08
6	6	**अपठित बोध –** अपठित काव्यांश /गद्यांश	04
7	7	**पत्र-लेखन** औपचारिक पत्र /अनौपचारिक पत्र	04
8	8	अनुच्छेद लेखन /संवाद लेखन/विज्ञापन लेखन /निबन्ध लेखन (रुपरेखा सहित)	3 + 4 = 07 कुल अंक 75

कक्षा -10 वीं

समय -3 घंटे **विषय –हिन्दी** **पूर्णांक – 75**

प्रश्न क्रमांक	प्रश्न	क्षितिज (काव्यखण्ड)	काव्यबोध	क्षितिज (गद्य खण्ड)	भाषाबोध	कृतिका	कुल अंक
1	सही विकल्प	2	1	1	1	1	6
2	रिक्त स्थान	1	2	1	1	1	6
3	सत्य /असत्य	1	1	2	1	1	6
4	सही जोड़ी	1	1	1	2	1	6
5	एक वाक्य	1	1	1	1	2	6
6	पद्य साहित्य						2
7	कवि परिचय						2
8	क्षितिज (काव्यखण्ड)पाठ						2
9	क्षितिज (काव्यखण्ड)पाठ						2
10	काव्यबोध						2
11	काव्यबोध						2
12	गद्य विधा						2
13	लेखक परिचय						2
14	क्षितिज (गद्य खण्ड)पाठ						2
15	क्षितिज (गद्य खण्ड)पाठ						2
16	भाषा बोध						2
17	कृतिका						2
18	भावार्थ						3
19	व्याख्या						3
20	अनुच्छेद /विज्ञापन लेखन						3
21	अपठित गद्यांश /काव्यांश						4
22	पत्र						4
23	निबन्ध						4
कुल प्रश्न 23							कुल अंक 75

लोक शिक्षण संचालनालय

प्रश्न-पत्र निर्माण हेतु विषय शिक्षक को निर्देश –

1. विषय शिक्षक प्रश्नपत्र निर्माण हेतु प्रश्नों का चयन करते समय प्रश्नबैंक में दिए गए हिन्दी विषय के त्रैमासिक परीक्षा हेतु तैयार की गई अंक योजना एवं ब्लू ब्लू प्रिंट का अध्ययन कर लें। ब्लू प्रिंट अनुसार ही प्रश्नों का चुनाव करते हुए प्रश्नपत्र का निर्माण करें | यह अवश्य ध्यान दें कि किसी प्रश्न का दोहराव नहीं हो |

2. प्रश्न पत्र के किसी प्रश्न का किसी अन्य चुने गये प्रश्न में उत्तर समाहित नहीं हो |

3. सही जोड़ी बनाइए वाले प्रश्न में स्तम्भ (अ) और उसकी सही जोड़ी बनाने हेतु स्तम्भ (ब) का विशेष ध्यान रखते हुए चयन किया जाये।

4. प्रत्येक प्रश्न के समक्ष उसके लिये आवंटित अंक अवश्य अंकित करें।

5. यदि प्रश्न बैंक में ऐसा कोई प्रश्न टंकण त्रुटिवश समाहित हो गया हो जो शैक्षणिक कैलेंडर में दिए गए अगस्त माह तक के पाठ्यक्रम से या संदर्भित इकाई के बाहर का हो तो विषय शिक्षक उस प्रश्न को प्रश्नपत्र में सम्मिलित नहीं करें।

6. विषय शिक्षक त्रैमासिक परीक्षा का प्रश्न पत्र बनाते समय विद्यार्थियों के सीखने के स्तर एवं पाठ्यक्रम पूर्णता को ध्यान में रखते हुए प्रश्न पत्र का निर्माण करें।

लोक शिक्षण संचालनालय

त्रैमासिक परीक्षा

कक्षा - 10वीं
विषय - हिन्दी

समय – 3 घंटा **पूर्णांक – 75**

निर्देश :-

i. **सभी प्रश्न अनिवार्य हैं |**
ii. **प्रत्येक प्रश्न के लिए आवंटित अंक उसके सम्मुख अंकित हैं |**
iii. **प्रश्न क्रमांक 1 से 5 तक 30 वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं | प्रत्येक उप-प्रश्न पर 1 अंक निर्धारित हैं |**
iv. **प्रश्न क्रमांक 6 से 17 तक कुल 12 प्रश्न हैं | प्रत्येक प्रश्न पर 2 अंक निर्धारित हैं | शब्द सीमा लगभग 30 शब्द हैं |**
v. **प्रश्न क्रमांक 18 से 20 तक कुल 3 प्रश्न हैं | प्रत्येक प्रश्न पर 3 अंक निर्धारित हैं | शब्द सीमा लगभग 75 शब्द हैं |**
vi. **प्रश्न क्रमांक 21 से 23 तक कुल 3 प्रश्न हैं | प्रत्येक प्रश्न पर 4 अंक निर्धारित हैं | शब्द सीमा लगभग 120 शब्द हैं |**
vii. **प्रश्न क्रमांक 6 से 23 तक सभी प्रश्नों के आंतरिक विकल्प दिए गए हैं |**

प्रश्न 1. निम्नलिखित प्रश्नों में से सही विकल्प का चयन कर लिखिए- **(1x6=6)**

काव्यखंड के प्रश्न

1 हिंदी साहित्य का स्वर्ण युग कहलाता है:---
(अ) आदिकाल (ब) भक्ति काल (स) रीतिकाल (द) आधुनिक काल

2. रीतिकाल की रचनाओं का प्रधान विषय है –
(अ) प्रकृति वर्णन (ब) श्रृंगार वर्णन (स) भक्ति वर्णन (द) ऋतु वर्णन

3. आचार्य रामचंद्र शुक्ल के अनुसार हिन्दी पद्य साहित्य का दूसरा काल है-
(अ) रीतिकाल (ब) भक्तिकाल (स) आदिकाल (द) आधुनिक काल

4. रीतिकाल को काव्य की दृष्टि से बाँटा गया है –
(अ) दो भागों में (ब) तीन भागों में (स) चार भागों में (द) सात भागों में

5. आधुनिक काल (हिन्दी कविता) का आरम्भ होता है-
(अ) संवत् 1900 से (ब) संवत् 1050 से (स) संवत् 1375 से (द) संवत् 1800 से

6. सूर के पद में भाषा है-
(अ) ब्रजभाषा (ब) मैथिली (स) खड़ी बोली (द) बघेली

7. गोपियों के अनुसार योग का सन्देश किनके लिए है?
(अ) जिनका मन चंचल है (ब) जिनका मन शांत है (स) सन्यासी के लिए (द) गृहस्थ के लिए

8. 'जक री' शब्द का अर्थ है –
(अ) व्यर्थ होना (ब) रटना (स) जर्जर होना (द) दु;खी होना

9. परशुराम को व्यंग्य भरे उत्तर दिए-
(अ) राम ने (ब) लक्ष्मण ने (स) विश्वामित्र ने (द) जनक ने

10. शिव-धनुष के टूटने पर क्रोधित हो उठे –
(अ) विश्वामित्र (ब) लक्ष्मण (स) परशुराम (द) रावण

11. रामचरितमानस की भाषा है –
(अ) ब्रज (ब) बुन्देली (स) अवधी (द) मालवी

काव्यबोध के प्रश्न

12. 'रसात्मकं वाक्यं काव्यं' परिभाषा किस आचार्य की है?
(अ) आचार्य जगन्नाथ (ब) आचार्य मम्मट (स) आचार्य विश्वनाथ (द) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

13. काव्य के भेद होते हैं –
(अ) एक (ब) दो (स) तीन (द) चार

लोक शिक्षण संचालनालय

14. किस काव्य के छन्द एक कथा के धागे में मोती की तरह गुँथे होते हैं ?
(अ) मुक्तक काव्य (ब) प्रबंध काव्य (स) श्रव्य काव्य (द) दृश्यकाव्य

15. 'आलम्बन' और उद्दीपन का संबंध है -
(अ) स्थायी भाव से (ब) संचारी भाव से (स) विभाव से (द) अनुभाव से

16. 'जुगुप्सा रस' का स्थायी भाव है -
(अ) अद्भुत (ब) वीभत्स (स) रौद्र (द) भयानक

गद्यखण्ड के प्रश्न

17. गद्य की विधा नहीं है -
(अ) महाकाव्य (ब) कहानी (स) नाटक (द) एकांकी

18. उपन्यास सम्राट हैं -
(अ) जयशंकर प्रसाद (ब) प्रेमचन्द (स) यशपाल (द) मन्नू भण्डारी

19. 'यदि गद्य कवियों की कसौटी है तो निबन्ध गद्य की कसौटी है' यह कथन है -
(अ) मन्नू भंडारी का (ब) प्रेमचन्द्र का (स) नंद दुलारे बाजपेयी का (द) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का

20. स्वयं प्रकाश जी ने पत्रिका का संपादन किया -
(अ) सरस्वती (ब) वसुधा (स) कादम्बरी (द) जनवाणी

21. नेता जी की मूर्ति लगवाई गई थी -
(अ) वन विभाग द्वारा (ब) नगरपालिका द्वारा (स) नगरनिगम द्वारा (द) शिक्षा विभाग द्वारा

22. सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा किस वस्तु से बनी थी ?
(अ) मिट्टी से (ब) प्लास्टिक से (स) धातु से (द) संगमरमर से

24.बालगोबिन भगत गाते समय बजाते थे -
(अ) ढोलक (ब) तबला (स) मंजीरा (द) खंजड़ी

25. सच्चे साधु की पहचान होती है –
(अ) पहनावे से (ब) भाषा से (स) ईश्वर भक्ति से (द) उसके विचारों से

भाषाबोध के प्रश्न

26. 'अपना –सा मुँह लेकर रह जाना' मुहावरे के लिए सही परिस्थिति होगी –
(अ) सोनिया द्वारा मनीषा से पुस्तक माँगना (ब) मित्रों के सामने माँ के द्वारा पुत्र को डाँटा जाना
(स) शहर की ऊँची इमारतों का अचानक ढह जाना (द) पुत्र द्वारा पिता को समाज में सम्मान दिलाया जाना

27. दो वर्णों के मेल को कहते हैं -
(अ) संधि (ब) समास (स) उपसर्ग (द) प्रत्यय

28. संधि के भेद होते हैं -
(अ) 2 (ब) 3 (स) 4 (द) 5

29. दो शब्दों का अपने विभक्ति चिन्हों को छोड़कर आपस में मिलना कहलाता है -
(अ) संधि (ब) समास (स) वाक्य रूपान्तरण (द) इसमें से कोई नहीं

30. जिन मूल शब्दों से मिलकर समास बना है, उसमें से पहले पद को कहते हैं -
(अ) पूर्वपद (ब) उत्तर पद (स) पूर्वापर (द) उत्तरपूर्व पद

कृतिका भाग -2 के प्रश्न

31. 'देहाती दुनिया' उपन्यास के लेखक है –
(अ) रघुवीर सहाय (ब) कमलेश्वर (स) फणीश्वरनाथ रेणु (द) शिवपूजन सहाय

32. भोलानाथ का असल में नाम था-
(अ) तारकेश्वरनाथ (ब) अमरनाथ (स) केदारनाथ (द) बद्रीनाथ

33. 'मइयाँ चावल अमनिया कर रही थी' अमनिया का अर्थ है-
(अ) फटकना (ब) साफ करना (स) चुनना (द) धोना

प्रश्न 2. उचित शब्दों का चयन कर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए - (1x6=6)

काव्यखंड के प्रश्न

1. गोपियों ने मधुकर संबोधन -----------------के लिए दिया। (कृष्ण/उद्धव)
2. योग संदेश लेकर-----------------मथुरा से ब्रजधाम आये थे। (उद्धव/विदुर)
3. सूरदास ने 'भ्रमरगीत' ----------------भाषा में लिखा है | (ब्रज/अवधी)
4. सूर की भक्ति ----------------- भाव की है। (साख्य/दास)
5. सहस्त्रबाहु की भुजा ----------ने काट डाली थी | (परशुराम/विश्वामित्र)
6. शूरवीर को अपनी वीरता -----------में प्रदर्शित करनी चाहिए | (युद्ध भूमि/सभागार)
7. 'छुअत टूट रघुपतिहु न दोसू' कथन ------------------ का है। (राम/लक्ष्मण)
8. परशुराम स्वभाव से-----------------थे। (विनम्र/क्रोधी)

काव्यबोध के प्रश्न

9. सहृदय के हृदय में स्थित अस्थायी भाव ---------------- कहलाते हैं। (संचारी भाव/स्थायी भाव)
10. नायक के जीवन की किसी एक घटना का पूर्णता के साथ चित्रण -------------में होता है। (खण्डकाव्य/महाकाव्य)
11. नायक - नायिका के संयोग या वियोग का वर्णन ----------------- रस में होता है। (शृंगार /शांत)
12. कविता के रचना विधान को -----------------कहते है। (छन्द/अलंकार)
13. चौपाई के प्रत्येक चरण में ----------------- मात्राएँ होती है। (16-16/11-13)
14. छन्द------------------- प्रकार के होते हैं। (दो/पाँच)

गद्यखण्ड के प्रश्न

15. एक अंक वाली रचना------------------कहलाती है। (नाटक/एकांकी)
16. जीवनी गद्य की एक ------------------विधा है | (प्रमुख/गौण)
17. प्रतिमा बनाने वाले का नाम------------------था। (मोतीलाल /रामलाल)
18. पानवाला एक काला, मोटा और-------------------आदमी था | (खुशमिजाज़/दुखी)
19. हालदार साहब -------------------सालों तक उस कस्बे से गुजरते रहे | (दो/तीन)
20. प्रतिमा पर सरकंडे का चश्मा--------------------के द्वारा लगाया गया था। (हालदार/बच्चों)
21. बालगोबिन भगत के गीतों में -----------------का भाव व्यक्त हुआ है। (वेदना /प्रभु –मिलन)
22. बालगोबिन भगत पाठ-----------------विधा का है। (रेखाचित्र/संस्मरण)
23. बाल गोबिन भगत मँझोले कद के --------------------आदमी थे | (गौरे चिट्टे/ साँवले)

भाषाबोध के प्रश्न

24. विद्यालय' शब्द में-------------------संधि है। (स्वर/व्यंजन)
25. 'मनोबल' शब्द में -----------------------सन्धि है | (स्वर/विसर्ग)
26. विलक्षण अर्थ का बोध कराने वाले वाक्य------------------ कहलाते है। (मुहावरा/लोकोक्ति)
27. समास के भेद-----------------हैं। (8/6)
28. 'चौराहा' शब्द में------------------समास है। (द्वंद्व /दिगु)

कृतिका भाग -2 के प्रश्न

29. भोलानाथ पूजा के समय मस्तक पर ----------------का तिलक लगाते थे | (चन्दन/भभूत)
30. भोलानाथ और उनके साथी—------------ के बिल के पानी उलीचने लगे। (सांप/चूहे)
31. भोलानाथ के पिता आटे की गोलियाँ ---------------को खिलाते थे | (मछलियों/चींटियों)
32. लड़के और बंदर पराई ------------ नहीं समझते | (पीर/हार)
33. भोलानाथ और उसके साथी 'अमोले' को घिसकर --------------बजाते थे | (शहनाई/बाँसुरी)

प्रश्न-3. निम्नलिखित कथनों के समक्ष सत्य या असत्य लिखिए – **(1x6=6)**

काव्यखंड के प्रश्न

1. गोपियाँ कृष्ण द्वारा चुराए गए अपने मन को वापस माँग रही हैं।
2. अच्छे लोग परहित के लिए दौड़े चले आते हैं।
3. उद्धव का संदेश गोपियों को गुड़ की तरह मीठा लगा।

4. योग संदेश सुनकर गोपियों की विरह अग्नि बढ़ रही है।
5. राजा का धर्म है कि प्रजा को न सताए ।
6. कुछ क्षत्रिय राजाओं को हराकर परशुराम, राम-लक्ष्मण को हराने के सपने देख रहे थे।
7. वीर व्यक्ति अपनी प्रशंसा स्वयं करते हैं।
8. शिव धनुष को खंडित देखकर परशुराम क्रोधित हो उठे।
9. परशुराम के फरसे को देखकर लक्ष्मण भयभीत हो गए।
10. 'रामचरितमानस' महाकाव्य है।

काव्यबोध के प्रश्न

11. दृश्य-काव्य में अभिनय तत्व प्रधान होता है।
12. मात्रिक छन्द में मात्राओं की गिनती निश्चित रहती है।
13. वर्णिक छन्द में गण का बहुत महत्त्व है।
14. रस के सात अंग है।
15. जहाँ अलौकिक आश्चर्य का भाव उत्पन्न हो वहाँ वीभत्स रस होता है।

गद्यखण्ड के प्रश्न

16. "यदि गद्य कवियों की कसौटी है तो निबन्ध गद्य की कसौटी है ।"
17. कैप्टन चश्मे वाला आजाद हिन्द फौज का सिपाही था ।
18. नेताजी की मूर्ति संगमरमर की थी ।
19. नेताजी की मूर्ति दो फुट ऊँची थी ।
20. मूर्ति नगरपालिका ने लगवाई थी ।
21. बालगोबिन भगत कबीर को साहब मानते थे ।
22. बालगोबिन भगत के दो बेटे थे ।

भाषाबोध के प्रश्न

23. 'लोक+उक्ति' से मिलकर लोकोक्ति शब्द बना है।
24. 'अग्नि-परीक्षा देना' का अर्थ कठिन परिस्थिति में पड़ना है।
25. मुहावरों और लोकोक्तियों लक्षणा शब्द शक्ति के जरिये अर्थ ग्रहण किया जाता है।
26. मुहावरे और लोकोक्ति एक ही है।
27. 'आग बबूला होना' मुहावरें का अर्थ है – बबूल में आग लगना ।

कृतिका भाग -2 के प्रश्न

28. बचपन में भोलानाथ का अधिकतर समय अपने पिता के सानिध्य में गुजरता था ।
29. तारकेश्वरनाथ ही भोलानाथ थे |
30. भोलानाथ को मइयाँ के गोद से निकलकर बाबूजी की गोद में शांति मिली |

प्रश्न 4 . सही का जोड़ी मिलान कर लिखिए – **(1x6=6)**

	स्तम्भ (अ)	स्तम्भ (ब)
i.	परशुराम के गुरु (काव्यखंड)	क. खण्डकाव्य
ii.	सूरसागर (काव्यखंड)	ख. खुशमिजाज़ आदमी
iii.	उतान (कृतिका भाग -2)	ग. सूरदास
iv.	भोलानाथ (कृतिका भाग -2)	घ. रेखाचित्र
v.	पानवाला (गद्यखण्ड)	ड... तारकेश्वरनाथ
vi.	बाल गोबिन भगत पाठ की विधा (गद्यखण्ड)	च. एकता में शक्ति
vii.	सुदामाचरित (काव्य बोध)	छ. खण्डकाव्य
viii.	रामचरितमानस (काव्य बोध)	ज. द्वन्द्व समास

लोक शिक्षा संचालनालय

ix.	माता-पिता (भाषाबोध)	झ. भगवान शिव
x.	एक और एक ग्यारह होना (भाषाबोध)	ञ. पीठ के बल लेटना

	स्तम्भ (अ)	स्तम्भ (ब)
i	सूर के पद (काव्यखंड)	(क) चार
ii.	माता का अँचल (कृतिका भाग -2)	(ख) प्रतिमा पर चश्मा
iii	कैप्टन चश्मे वाला (गद्यखण्ड)	(ग) दोहरा लाभ होना
iv	रस के अंग (काव्य बोध)	(घ) शिवपूजन सहाय
v.	लोकोक्ति को कहते हैं (भाषाबोध)	(च) सूरदास
vi	आम के आम गुठलियों के दाम (भाषाबोध)	(छ) लोगों द्वारा कहा गया कथन

प्रश्न 5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए – **(1x6=6)**

काव्यखंड के प्रश्न

1. पद्य साहित्य के इतिहास को कितने भागों में विभाजित किया गया है ?
2. सूर के पदों में "तेल की गागरि" कहकर किसे बुलाया गया है?
3. गोपियों के अनुसार राजा का धर्म क्या है ?
4. सीता स्वयंवर में राम-लक्ष्मण किसके साथ आए थे ?
5. भगवान श्रीराम ने किसके धनुष को तोड़ा था ?

काव्यबोध के प्रश्न

6. रस किसे कहते है ?
7. अनुभाव किसे कहते हैं?
8. रस के अंगों के नाम लिखिए |
9. संचारी भावों की संख्या कितनी होती है ?
10. विभाव किसे कहते है ?

गद्यखण्ड के प्रश्न

11. रिपोर्ताज किस भाषा का शब्द है?
12. उपन्यास सम्राट किन्हें कहा जाता है?
13. नेताजी की मूर्ति किससे बनी थी?
14. 'दिल्ली चलो' का नारा किसने दिया था?
15. मूर्ति की ऊँचाई कितनी थी ?
16. नगरपालिका ने नेताजी की मूर्ति किससे बनवाई ?
17. स्वयं प्रकाशजी के कितने कहानी संग्रह प्रकाशित हो चुके हैं ?
18. 'कलम का जादूगर' किसे कहा जाता है?
19. बालगोबिन भगत की प्रभातियाँ किस माह से शुरू होकर किस माह तक चलती थी?

भाषाबोध के प्रश्न

20. दो स्वरों के आपस में मिलने पर कौन-सी संधि होगी?
21. 'प्रतिदिन' में कौन –सा समास है?
22. समास के भेदों के नाम लिखिए |
23. सन्धि के सभी प्रकारों के नाम लिखिए |
24. 'पाँचों उँगलियाँ घी में होना' मुहावरे का अर्थ क्या है ?
25. 'घाट-घाट का पानी पीना' मुहावरे का अर्थ क्या है ?

कृतिका भाग -2 के प्रश्न

लोक शिक्षण संचालनालय

26. हिन्दी का स्मरणशिल्प में लिखा गया पहला उपन्यास कौन सा माना जाता है ?
27. अमोला' किसे कहते हैं?
28. मकई के खेत में किसका झुण्ड चर रहा था?
29. भोलानाथ और उनके हमउम्र चबूतरे के एक कोने को क्या बना देते थे ?
30. भोलानाथ के बाबूजी की नहाने वाली चौकी किस काम आती थी ?

2 अंक वाले प्रश्न ....

प्रश्न 6 (1) रीतिकालीन कोई दो कवियों के नाम उनकी एक-एक रचना के साथ लिखिए। **(2)**
(2) नई कविता की कोई - दो विशेषताएँ/ प्रवृत्तियाँ लिखिए।
(3) रीतिकाल को शृंगार काल क्यों कहा गया है? लिखिए।
(4) रीतिकाल की कोई - दो विशेषताएँ/ प्रवृत्तियाँ लिखिए |

प्रश्न 7 (1) सूरदास की काव्यगत विशेषताएँ निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर लिखिए – **(2)**
i. दो रचनाएँ ii. भावपक्ष – कलापक्ष iii. साहित्य में स्थान

(2) तुलसीदास की काव्यगत विशेषताएँ निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर लिखिए –

i. दो रचनाएँ ii. भावपक्ष – कलापक्ष iii. साहित्य में स्थान

प्रश्न 8 (1) गोपियों द्वारा उद्धव को भाग्यवान कहने में क्या व्यंग्य निहित है ? **(2)**
(2) गोपियों के अनुसार राजा का धर्म क्या होना चाहिए ?
(3) उद्धव के व्यवहार की तुलना किस-किस से की गई है ?
(4) 'मरजादा न लही' के माध्यम से कौन-सी मर्यादा न रहने की बात की जा रही है?

प्रश्न 9 (1) 'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' पाठ के आधार पर राम के स्वभाव की कोई –दो विशेषताएँ लिखिए । **(2)**

(2) 'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' पाठ के आधार पर लक्ष्मण के स्वभाव की कोई –दो विशेषताएँ लिखिए ।

(3) परशुराम के क्रोध करने पर लक्ष्मण ने धनुष के टूट जाने के लिए कौन-कौन से तर्क दिए ?
(4) लक्ष्मण ने वीर योद्धा की क्या-क्या विशेषताएँ बताई **?**

प्रश्न 10 (1) पं. जगन्नाथ के अनुसार काव्य की परिभाषा लिखते हुए काव्य के भेद लिखिए । **(2)**
(2) करुण रस की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए ।
(3) वीर रस की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए ।
(4) छन्द किसे कहते है ? छंद के प्रकार लिखिए।

प्रश्न 11 (1) स्थायी भाव और संचारी भाव में कोई दो अन्तर लिखिए । **(2)**
(2) महाकाव्य एवं खण्डकाव्य में कोई दो अंतर लिखिए |
(3) चौपाई छंद के लक्षण उदाहरण सहित लिखिए ।
(4) दोहा छंद के लक्षण उदाहरण सहित लिखिए ।

प्रश्न 12 (1) हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाओं एवं गौण विधाओं के नाम लिखिए । **(2)**
(2) हिन्दी साहित्य के दो निबन्धकारों के नाम और उनकी रचनाएँ लिखिए ।
(3) रेखाचित्र और संस्मरण में कोई –दो अंतर लिखिए।
(4) नाटक और एकांकी में कोई –दो अंतर लिखिए ।

प्रश्न 13 (1) स्वयं प्रकाश की साहित्यिक विशेषताएँ निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर लिखिए – **(2)**
i. दो रचनाएँ ii. भाषा-शैली iii. साहित्य में स्थान
(2) रामवृक्ष बेनीपुरी की साहित्यिक विशेषताएँ निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर लिखिए –
i. दो रचनाएँ ii. भाषा-शैली iii. साहित्य में स्थान

प्रश्न 14 (1) कैप्टन बार-बार मूर्ति पर चश्मा क्यों लगा देता होगा ? इस पर अपने विचार लिखिए | **(2)**

लोक शिक्षण संचालनालय

(2) मूर्ति पर लगा सरकंडे का चश्मा क्या उम्मीद जगाता है?

(3) नेताजी की मूर्ति की आँखों पर सरकंडे से बने चश्मे का होना आपके अनुसार किस बात का परिचायक है ? लिखिए ।

प्रश्न 15 (1) बालगोबिन भगत की पुत्रवधू उन्हें अकेला क्यों नहीं छोड़ना चाहती थी ? लिखिए। **(2)**

(2) बालगोबिन भगत की दिनचर्या लोगों के अचरज का कारण क्यों थी ? लिखिए ।

(3) बालगोबिन भगत ने अपने बेटे की मृत्यु पर अपनी भावनाएँ किस तरह व्यक्त की ? लिखिए |

प्रश्न 16 (1) निम्नलिखित समास का विग्रह कर उसका नाम लिखिए – (कोई-दो) **(2)**

i. रसोईघर ii. यथाशक्ति iii. महाकवि iv. माता-पिता

(2) निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखते हुए वाक्य में प्रयोग कीजिए – (कोई-दो)

i. खून पसीना एक करना ii. घी के दिए जलाना iii. एक और एक ग्यारह iv. अपने मुँह मियाँ मिट्ठू बनना

प्रश्न 17 (1) 'माता का अँचल' पाठ में शिशु का नाम भोलानाथ कैसे पड़ा ? **(2)**

(2) बच्चे माता- पिता के प्रति अपने प्रेम को कैसे अभिव्यक्त करते हैं?

(3) भोलानाथ अपने साथियों को देखकर सिसकना क्यों भूल जाता है?

तीन अंक वाले प्रश्न . . .

प्रश्न 18 निम्नलिखित काव्यांश का संदर्भ-प्रसंग सहित भावार्थ लिखिए - **(3)**

(1) मन की मन ही माँझ रही ।
कहिए जाइ कौन पै ऊधौ, नाहीं परत कही।
अवधि अधार आस आवन की, तन मन बिथा सही।
अब इन जोग सँदेसनि सुनि-सुनि, बिरहिनि बिरह दही।
चाहति हुतीं गुहारि जितहिं तैं, उत तैं धार बही।
'सूरदास' अब धीर धरहिं क्यौं, मरजादा न लही ।।

(2) ऊधौ, तुम हौं अति बड़भागी।
अपरस रहत सनेह तगा तैं, नाहिन मन अनुरागी।
पुरइनि पात रहत जल भीतर, ता रस देह न दागी।
ज्यौं जल माँह तेल की गागरि, बूँद न ताकौं लागी।
प्रीति नदी मैं पाँऊ न बोरयौ, दृष्टि न रूप परागी।
'सूरदास' अबला हम भोरी, गुर चोंटी ज्यौं पागी।।

(3) लखन कहा हसि हमरे जाना। सुनहु देव सब धनुष समाना ।।
का छति लाभु जून धनु तोरें। देखा राम नयन के भोरें।।
छुअत टूट रघुपतिहु न दोसू। मुनि बिनु काज करिअ कत रोसू ।।
बोले चितै परसु की ओरा । रे सठ सुनेहि सुभाउ न मोरा ।।

प्रश्न – 19. निम्नलिखित गद्यांश की संदर्भ –प्रसंग सहित व्याख्या लिखिए – **(3)**

(1) हालदार साहब को हर पंद्रहवें दिन कंपनी के काम के सिलसिले में उस कस्बे से गुजरना पड़ता था। कस्बा बहुत बड़ा नहीं था। जिसे पक्का मकान कहा जा सके वैसे कुछ ही मकान और जिसे बाजार कहा जा सके वैसा एक ही बाजार था। कस्बे में एक लड़कों का स्कूल, एक लड़कियों का स्कूल, एक सीमेंट का छोटा-सा कारखाना, दो ओपन एयर सिनेमाघर और एक ठो नगरपालिका भी थी। नगरपालिका थी तो कुछ-न-कुछ करती भी रहती थी। कभी कोई सड़क पक्की करवा दी, कभी कुछ पेशाबघर बनवा दिए, कभी कबूतरों की छतरी बनवा दी तो कभी कवि सम्मेलन करवा दिया।

(2) जीप कस्बा छोड़कर आगे बढ़ गई तब भी हालदार साहब इस मूर्ति के बारे में ही सोचते रहे, और अन्त में इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि कुल मिलाकर कस्बे के नागरिकों का यह प्रयास सराहनीय ही कहा जाना चाहिए। महत्त्व मूर्ति के रंग-रूप या कद का नहीं, उस भावना का है वरना तो देश-भक्ति भी आजकल मज़ाक की चीज़ होती जा रही है।

(3) बालगोबिन भगत मँझोले कद के गोरे-चिट्टे आदमी थे। साठ से ऊपर के ही होंगे। बाल पक गए थे। लंबी दाढ़ी या जटाजूट तो नहीं रखते थे, किंतु हमेशा उनका चेहरा सफ़ेद बालों से ही जगमग किए रहता। कपड़े बिलकुल कम पहनते। कमर में एक लंगोटी-मात्र और सिर में कबीरपंथियों की-सी कनफटी टोपी। जब जाड़ा आता, एक काली कमली ऊपर से ओढ़े रहते। मस्तक पर हमेशा चमकता हुआ रामानंदी चंदन, जो नाक के एक छोर से ही, औरतों के टीके की तरह, शुरू होता। गले में तुलसी की जड़ों की एक बेडौल माला बाँधे रहते।

प्रश्न – 20 (1) धूम्रपान को रोकने के लिए उसकी हानियाँ बताते हुए एक विज्ञापन 25 से 50 शब्दों में तैयार कीजिए । **(3)**
(2) मेरे प्रिय शिक्षक' विषय पर एक अनुच्छेद लिखिए ।
(3) जीवन में जल का महत्त्व विषय पर एक अनुच्छेद लिखिए ।

प्रश्न 21 निम्नलिखित अपठित काव्यांश **अथवा** गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए - **(4)**

(1) यदि फूल नहीं बो सकते तो, काँटे कम-से-कम मत बोओ ।
है अगम चेतना की घाटी, कमजोर बड़ा मानव का मन
ममता की शीतल छाया में होता, कटुता का स्वयं शमन।
ज्वालाएँ जब घुल जाती हैं, खुल-खुल जाते हैं मुँदे नयन,
होकर निर्मलता में प्रशांत, बहता प्राणों का क्षुब्ध पवन ।
संकट में यदि मुस्का न सको, भय से कातर हो मत रोओ ।
यदि फूल नहीं बो सकते तो, काँटे कम-से-कम मत बोओ ।

प्रश्न – i. उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए ।
ii. उपर्युक्त पंक्तियों में 'फूल बोने' और 'काँटे बोने' का प्रतीकार्थ क्या है?
iii.भय के कातर होने पर मनुष्य की स्थिति कैसी हो जाती है?

(2) छोड़ो मत अपनी आन, शीश कट जाए,
मत झुको अनय पर भले व्योम फट जाए।
दो बार नहीं यमराज कंठ धरता है
मरता है जो, एक ही बार मरता है।
तुम स्वयं मरण के मुख पर चरण धरो रे!
जीना हो तो मरने से नहीं डरो रे!
स्वातंत्र्य जाति की लगन व्यक्ति की धुन है,
बाहरी वस्तु यह नहीं भीतरी गुण है।
नत हुए बिना जो अशनि-घात सहती है,
स्वाधीन जगत में वही जाति रहती है।
वीरत्व छोड़, पर का मत चरण गहो रे !
जो पड़े आन, खुद ही सब आग सहो रे!

प्रश्न – i. 'मरण' और 'गुण' शब्द के विलोम लिखिए ।
ii. वीरता छोड़कर दूसरों के सहारे जीने की बात नहीं सोचना चाहिए। यह भाव किस पंक्ति में व्यक्त हुआ है?
iii. उपर्युक्त काव्यांश का मूल भाव अपने शब्दों में लिखिए ।

(3) 'कोशिश करने वालों की हार नहीं होती।
लहरों से डरकर नौका पार नहीं होती।
नन्हीं चींटी जब दाना लेकर चलती है ।
चढ़ती दीवारों पर सौ बार फिसलती है।
मन का विश्वास रगों में साहस भरता है ।
चढ़कर गिरना, गिरकर चढ़ना न अखरता है।
आखिर उसकी मेहनत बेकार नहीं होती।
कोशिश करने वालों की हार नहीं होती ।'

प्रश्न- (क) चींटी की मेहनत बेकार क्यों नहीं होती ?

(ख) 'कोशिश' का पर्यायवाची शब्द लिखिए |

(ग) काव्यांश का उचित शीर्षक दीजिए |

अथवा

(1) व्यक्ति से अगली इकाई परिवार की है। पति-पत्नी माता-पिता तथा बच्चों से परिवार बनता है। परिवार एक ऐसी इकाई है जो समाज और राष्ट्र से जुड़ी रहती है। अतः परिवार को सुख-समृद्धि और मंगल-कामना के लिए प्रयत्न करना 'परिवार कल्याण' कहलाता है। परिवार को सीमित रखने के प्रयत्न में ही परिवार कल्याण का भाव निहित है। मनुष्य को यह बात भली प्रकार समझ होनी चाहिए कि परिवार को बिना सोचे-समझे बढ़ाते चले जाना मूर्खता के अलावा और कुछ नहीं है। यह दुर्भाग्य की बात है कि हमारे देश की जनसंख्या में अंधाधुंध वृद्धि हो रही है जिसके परिणामस्वरूप परिवार-कल्याण का कार्य पिछड़ जाता है। परिवार के सभी लोगों को सुख-समृद्धि तभी प्राप्त होगी जब परिवार के सदस्यों की संख्या सीमित होगी। एक व्यक्ति की आय को बाँटने वाले जब कम होंगे तब उसे पाने वालों को अधिक धन की प्राप्ति होगी। यह प्रश्न विचारणीय है कि परिवार-कल्याण को ध्यान में रखते हुए परिवार को छोटा कैसे रखा जाए? इसके लिए आम जनता में चेतना जाग्रत करनी होगी। लोगों को समझाना होगा कि जनसंख्या-वृद्धि से उनके परिवार को किन-किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

प्रश्न – i. उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए ।

ii. लेखक के अनुसार 'परिवार कल्याण' क्या कहलाता है ?

iii. 'सुख- समृद्धि' पद का विग्रह कर समास का नाम लिखिए ।

(2) मनुष्य स्वभाव से ही सौन्दर्य खोजता है। घी का लड्डू टेढ़ा भी मीठा ही होता है, पर मनुष्य गोल बनाकर उसे सुन्दर कर लेता है। उच्छृंखल व्यक्ति की अपेक्षा अनुशासित व्यक्ति में सौन्दर्य-बोध उच्च कोटि का होता है। बिगड़े दिमाग का युवक परायी बहू-बेटियों के घूरने को भी सौन्दर्य-बोध कहा करता है, परन्तु यह संसार की सर्वाधिक असुंदर बात है। वास्तविक सौन्दर्य-बोध में मर्यादा, संयम, अपनत्व एवं सेवा का सामंजस्य अवश्य विद्यमान रहता है।

प्रश्न - (i) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

(ii) संसार की सर्वाधिक असुंदर बात क्या है?

(iii) किस प्रकार के व्यक्ति में उच्च कोटि का सौन्दर्य-बोध होता है?

(3) श्रम-साधना करने वाले को यश प्राप्त होता है और वैभव भी। श्रम करके एक निर्धन परिवार का बालक भी उच्च पद पर आसीन हो जाता है और अपने परिवार की आर्थिक स्थिति बदल देता है। श्रम करके हमें अलौकिक आनंद की प्राप्ति होती है तथा परम संतोष का अनुभव होता है। श्रम करने से हमारा शरीर स्वस्थ रहता है। शारीरिक श्रम करने वाले प्रायः दीर्घजीवी होते हैं। श्रम करने वाला विकट परिस्थितियों में भी नहीं घबराता है। आत्मविश्वास उनका रक्षक बन जाता है परिश्रम सफलता का मूलमंत्र है। बिना परिश्रम किए किसी को भी सफलता नहीं मिलती है। यदि मिलती है तो वह स्थायी नहीं होती। परिश्रम व्यक्ति में आत्मसंतोष और आत्मनिर्भरता की भावना लाता है। परिश्रम का कोई विकल्प नहीं है। अतः परिश्रमी बनो।

प्रश्न – (क) 'श्रम' का पर्यायवाची शब्द लिखिए।

(ख) सफलता का मूलमन्त्र क्या है ?

(ग) श्रम करने वालों का रक्षक कौन होता है ?

प्रश्न 22. (1) अपने विद्यालय के प्राचार्य को शाला शुल्क से मुक्ति हेतु आवेदन पत्र लिखिए | **(4)**

(2) परीक्षा अवधि में ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर रोक लगाने हेतु अपने जिलाधीश महोदय को आवेदन पत्र लिखिए ।

(3) अपने नगर के नगरपालिका अधिकारी को अपने वार्ड में व्याप्त गंदगी को दूर करवाने हेतु एक शिकायती पत्र लिखिए |

अथवा

(1) समय के सदुपयोग और परिश्रम पर बल देते हुए अपने छोटे भाई को पत्र लिखिए ।

(2) वार्षिक परीक्षा में कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर मित्र को बधाई पत्र लिखिए ।

(3) अपने मित्र को जन्म दिवस की बधाई देते हुए पत्र लिखिए |

प्रश्न 23. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर रुपरेखा सहित सारगर्भित निबंध लिखिए – (4)

i. विद्यार्थी जीवन में नैतिक मूल्यों का महत्त्व

ii. प्रदूषण नियंत्रण : कारण एवं निदान

iii. मानव जीवन की प्रगति में कम्प्यूटर

iv. पुस्तकालय का महत्त्व
v. स्वच्छ भारत अभियान
vi. जीवन में खेलों का महत्त्व
vii. जल ही जीवन है
viii. मेरी प्रिय पुस्तक

---**000**---

लोक शिक्षा संचालनालय